

अभियंता प्रगुण का कार्यालय ग्रामीण कार्य विभाग सकारण आदेश

ज्ञा० अ० स०-५० अ०-०४ (मु०) डिवार-३३-८५ / २०२० - १५८ / पत्र, दिनांक १५/०९/२०२०

कार्य प्रमंडल, उदाकिशुनगंज के अधीन प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत L04-101 (c) Dated 10/06/2016 Basa (VR6) (Package-BR-20R-106) तक पथ का निर्माण कार्य/असुरक्षण कार्य की विधि - अनुशासन की सूचना हस्त कार्यालय को प्रदान करते हुए संबंधित संकीर्ण पदाधिकारियों द्वारा सहित की जाती है। (निर्देश सं0 3261 / 2012) को विभागीय औद्योग सूची में समिलित करने की अनुशरण की गयी थी। इसके आलोक में विभागीय पत्रांक-7725 अनु0 दिनांक 29.06.2017 द्वारा निर्गत औद्योग सूची के क्रमांक-677 पर संखेका का नाम समिलित करते हुए उन्हें आगामी निविदाओं में भाग लेने से विद्युत किया गया था।

पुरा मुख्य अधियंता-२, ग्रामीण कार्य विभाग, बिहार पटना के पश्चिम ४५०३ इमेरिट ३१,६२,२५
लघुदीवास जनजीवन ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा अनुसन्धान के पश्चिम ७०० इमेरिट ३१,६२,२५
कार्यपालक उचित ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रभारी एवं कार्यकारी अधिकारी ३१,६२,२५
पक्षा पथ का छार्ट पूर्ण छारये जाने की सूचना एवं नियम वित्तावलोग उपलब्ध कराना पूर्ण रैतेवाला है। इन
कहानों की अनुशंसा की गयी। प्राप्त अनुशंसा पश्चि ४५ संविधान दस्तावेज़ी, राजदानी एवं सम्बन्धित विषय
के द्वारा भक्षण करने का शिर्षक लिया गया है।

अतः श्री शैलेश कुमार (गिर्वंधन रा० 3261/2012) को विभागीय पत्रक-7725 अनु० दिनांक
29.06.2017 प्राप्त निर्गत डीयार सूची के क्रमांक-677 से विलोपित करते हुए डीयार मुक्ता किया गया।

प्रतीक्षित दिन- ०४ अ०-०४ (मु०) डिवार-३३-८५ / २०२० / पटना, बिहार, भू.प्र., ८००००४
प्रतीक्षित दिन- सदेक क श्री हौलेश कुमार (निवधन सं० ३२६१ / २०१२) के सूक्ष्माय प्रतीक्षित।

प्रतिलिपि :- प्रधान सचिव / सचिव अमराठा इन्होंने जब निर्माण विभाग, नवीन निर्माण विभाग / लघु जल संसाधन विभाग का एक अकास विभाग / दोक राष्ट्रीय अभियान विभाग / विकास विभाग / उर्जा विभाग / कृषि विभाग / अराटी राज विभाग, विहार पटना / प्रवेश गांदेश्वर विभाग निर्माण विभाग विहार, पटना / विहार पुलिस बट्टा विभाग विहार पटना का सूचनात्मक रूप से तथा विवरण प्रदित्त।

प्रतिलिपि :- सचिव, ग्रामीण कर्कट प्रिशाना दिवार ग्राम के आसे होनेवाले मुख्य गोदान कर्कट प्रिशाना ग्रामीण अधीक्षण अभिवृत्त ग्रामीण कर्कट प्रिशाना ग्रामीण नामसंकरण करने वाले प्रिशाना को सम्बन्धीय एवं आवश्यक कर्कट प्रिशाना

इतिहास - मुं० ३०-०४ मुं०, फेब्रुअरी २०२० के दिन
प्रतिलिपि - प्रशाखा पद्धतिकारी एवं विभिन्न सम्बन्धीय विभागों के लिए इसका उपयोग किया जाता है।